हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, गुरुवार 19 फरवरी 2026

12 पानी घटने से सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को किया बंद...

12 वार्षिकोत्सव में लोकनृत्य व नाटक से छात्राओं ने...

बारिश के साथ तेज हवा चलने से जमीन पर बिछी गेहूं की अगेती फसल

मौसम का बदला मिजाज, हल्की ओलावृष्टि के साथ हुई बारिश,किसानों की बड़ी चिंता

बारिश व ओलावृष्टि से गेहूं और सरसों की फसल में हुआ नुकसान, तेज हवा के कारण जमीन पर बिछ गई गेहूं की अगेती फसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बुधवार को एकदम मौसम का मिजाज बदल गया। कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई तो अनेक जगहों पर हल्की ओलावृष्टि ने किसान की हार्ट बीट तेज कर दी। हालांकि ज्यादा देर तक ओलावृष्टि नहीं हुई, लेकिन ओलावृष्टि से सरसों की फसलों में नुकसान होने की आशंका है। वहीं बारिश के साथ तेज हवा चलने से कई जगहों पर गेहूं की अगेती फसल भी जमीन पर बिछ गई, जिससे फसल की औसतन पैदावार में कमी आने की पूरी पूरी संभावना हैं। फिलहाल बदले मौसम के मिजाज की वजह से किसानों की चिंता बढ़ गई।

भिवानी। बरसात के साथ तेज हवा चलने से बिछी गेहूं की फसल।

किसानों की बढ़ी चिंता

एकदम बदले मौसम की वजह से किसानों की हार्टबीट बढ़ गई, क्योंकि इस वक्त सरसों की फसल पक रही है। वहीं गेहूं की फसल भी पक रही। अगर ऐसे में ओलावृष्टि हो जाती है तो किसानों की फसल पूरी तरह खत्म हो जाएगी। किसान को इसी बात डर सता रहा है। बुधवार को अनेक जगहों पर हुई ओलावृष्टि से फसलों में नुकसान हुआ भी हैं। सरसों व गेहूं की फसल की पकाव की तरफ हैं और ऐसे में मौसम की मार किसान के सपनों पर पानी फेरने से कम नहीं हैं, क्योंकि किसान फसल पर ही पूरी तरह से निर्भर होता हैं और उसी की आय के आधार पर आगे के कार्य निर्धारित करता हैं

उल्लेखनीय हैं कि बुधवार को लोग सोकर उठे तो उस वक्त आसमान काले बादलों से पटा हुआ था। धीमी गति से हवा चल रही थी। दिन चढ़ना शुरू हुआ, उसी हिसाब मौसम ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबादी हुई।

बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि

चरखी दादरी के संजरवास व आसपास के इलाकों में बारिश के साथ हल्की ओलावृष्टि शुरू हुई। हालांकि ओलावृष्टि ज्यादा देर तक नहीं हुई, लेकिन एक बार तो जमीन पर छोटे ओलो से सफेद चादर बिछ गई। करीब 30 से 40 सेकेंड तक इसी तरह का मौसम रहा। इसके बाद फिर आसमान से पानी बरसने लगा। बारिश से फसलों में फायदा होगा, पर ओलावृष्टि से फसलों में नुकसान होगा लाजिमी हैं। तेज हवा चलते से जहां गेहूं की अगेती फसल जमीन पर बिछ गई हैं, उसकी पैदावार में काफी कमी आएगी।

तापमान में दर्ज हुई गिरावट, ठिठुरन बढ़ी

पिछले कई दिनों तक तापमान बढ़ रहा था और दिन में गर्मी का अहसास हो रहा था। गर्म मौसम के चलते लोगों ने गर्म कपड़े तक रख दिए थे, लेकिन बुधवार को हुई बरसात व ओलावृष्ट से तापमान में करीब दो डिग्री की गिरावट आई हैं। न्यूनतम तापमान 13 डिग्री चल रहा था, जो आज घटकर 10 आ गया हैं।

लोहारू में रुक रुककर हुई बरसात, बरालु में गिरे ओले

लोहारू। मौसम में करवट के साथ ही देर रात से लोहारू और आसपास के इलाके रुक रुक कर हलकी बरसात हो रही है। बुधवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और दो बार हल्की बरसात भी बरसात हुई। बरसात के कारण जहां वातावरण में ठंड का अहसास बढ़ गया हैं, वहीं रबी सीजन की फसल के लिए यह बरसात बरदान बताई जा रही है। हालांकि इलाके के बरालु गांव में हल्की मात्रा में बरसात के साथ छोटे छोटे ओले भी गिरे हैं। बता दें कि पिछले करीब एक सप्ताह से दिन का तापमान बढ़ने लगा था, जो फसलों के अनुकूल नही था। तापमान बढ़ने से फसलें दिन में मुरझाने लगी थी। बीती रात से मौसम में बदलाव के बाद हुई बरसात फसलों के लिए संजीवनी मानी जा रही है। करीब 4 एमएम बरसात के बाद तापमान में भी तीन से चार डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है तथा ठंडक भी बढ़ गई। बरसात के साथ ओले गिरने के कारण फसलों में नुकसान की आंशका बढ़ गई है। जिसके चलते किसानों के चेहरों पर मायुसी देखने को मिल रही है। छोटे ओले गिरने के कारण फसलों में कम नुकसान बताया जा रहा है।

ड्रोन से उर्वरक छिड़काव के लिए करें ऑनलाइन पंजीकरण

- कृषि विभाग ने जिले 8000 एकड़ क्षेत्र का लक्ष्य किया निर्धारित
- ड्रोन दीदी योजना से महिलाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे ड्रोन द्वारा उर्वरक एवं कीटनाशक छिड़काव करें। इसके लिए ड्रोन दीदी और फसल में छिडक़ाव करवाने वाले किसान विभाग के पोर्टल एग्रीहरियाणा के ड्रोन दीदी योजना पर ऑनलाइन लाइन पंजीकरण करवाएं। जिला भिवानी में 8000 एकड़ क्षेत्र का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए 20 रुपये लाख का बजट प्रावधान किया गया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ. विनोद कुमार फोगाट ने डोन दीदी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए एग्रीशक्ति नमो ड्रोन दीदी योजना लागू की गई है।

इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए ड्रोन तकनीक के माध्यम से कृषि कार्यों को आधुनिक बनाना है। उर्वरक एवं कीटनाशकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देना है। कृषि क्षेत्र में महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। किसान का मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। उर्वरक एवं कीटनाशक की लागत किसान द्वारा वहन की जाएगी। ड्रोन दीदी का सिविल एविएशन के मानकों के अनुसार प्रशिक्षित एवं प्रमाणित होना अनिवार्य है। केवल पंजीकृत ड्रोन दीदी ही योजना के अंतर्गत कार्य करेंगी। किसान विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण करेंगे। संबंधित क्षेत्र की पंजीकृत ड्रोन दीदी को कार्य आवंटित किया जाएगा।

खाते में मिलेगी राशि

ड्रोन छिड़काव की कुल दर 400 रुपये प्रति एकड़ प्रति स्प्रे निर्धारित है। इसमें से 250 रुपये प्रति एकड़ प्रति स्प्रे सरकार द्वारा ड्रोन दीदी को वित्तीय सहायता के रूप में प्रदान किए जाएंगे। शेष 150 रुपये प्रति एकड़ किसान द्वारा देय होंगे। छिड़काव का सत्यापन कृषि विभाग के फील्ड अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। सत्यापन उपरांत 250 रुपये प्रति एकड़ की राशि ड्रोन दीदी के बैंक खाते में प्रतिमाह दो बार (पाक्षिक) सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत, केस दर्ज

लोहारू। बीते दिवस लोहारू-चरखी दादरी सडक़ मार्ग पर गांव बिसलवास के नजदीक एक पिकअप और मोटरसाइकिल की टक्कर के मामले में लोहारू थाना पुलिस ने आरोपी पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि उसकी बेटी घायल हो गई थी। पुलिस को दिए बयान में राजस्थान के गांव देवरोड निवासी युवती खुशी ने बताया कि वह स्नातक की पढाई पूरी कर चुकी है तथा वह अपने पिता राजबीर सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने पैतृक गांव झज्जर जिले के गुढ़ा गांव जा रहे थे। इस दौरान गांव बिसलवास के नजदीक सामने से तेज गति से आ रही पिकअप ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मारी। हादसे में उसके पिता और वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें चरखी दादरी में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने राजबीर को मृत घोषित कर दिया।

चालक व आत्मरक्षा प्रशिक्षण, 28 तक करें आवेदन

चरखी दादरी। उपायुक्त डज्ञ मुनीश नागपाल ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम पंचकुला द्वारा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली 18 से 45 वर्ष की लड़कियों व महिलाओं के लिए बहादुरगढ़ तथा रोहतक में स्थित मारुति सुजुकी ट्रेनिंग सेंटर में 21 दिन का चालक प्रशिक्षण और आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इच्छुक पात्र लड़कियां व महिलाएं 28 फरवरी 2026 तक आवेदन कर सकती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली महिलाओं व लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाया गया है। हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से पात्र परिवारों की महिलाओं को चालक व आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षणार्थी को 1000 रुपये का वजीफा भी दिया जाएगा। महिलाओं एवं लड़कियों के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान करने की दिशा में सरकार की ओर से यह सराहनीय कदम उठाया गया है। इससे लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता प्राप्त होगी।

जनवरी में 51, 341 लोगों ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

- एक लाख 23 हजार 437 मरीजों ने करवाई विभिन्न प्रकार की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरतमंद लोगों को स्थानीय चौधरी बंसीलाल राजकीय सामान्य अस्पताल में नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। विभाग द्वारा जनवरी माह के दौरान 51 हजार 341 नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया है। विगत माह में एक लाख 23 हजार 437 मरीजों ने विभिन्न प्रकार की जांच करवाई है। डीसी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरतमंद लोगों को जनवरी माह में अस्पताल में कुल 51 हजार 341 नागरिकों ने चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया, जिनमें नई व पुरानी ओपीडी 44 हजार 595 तथा 6 हजार 746 नई व पुरानी आईपीडी शामिल हैं। इसी प्रकार गत माह में 14 हजार 975 ओपीडी व 2 हजार 205 आईपीडी चिकित्सा सेवाओं में शामिल रहीं। उन्होंने बताया कि सामान्य अस्पताल में 63 चिकित्सकों की टीम कार्यरत हैं।

सीआईए टीम ने अवैध हथियार सप्लाई के आरोपी मुकेश को किया गिरफ्तार

- आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने अवैध हथियार सप्लाई करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गत 17 जनवरी को सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने थाना सदर भिवानी क्षेत्र से आरोपी टोनी पुत्र मुकेश निवासी कलिंगा जिला भिवानी को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया था। आरोपी के कब्जे से एक ऑटोमेटिक गन, एक देशी पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। इस संबंध में थाना सदर भिवानी में शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग पंजीबद्ध कर कार्रवाई अमल में लाई गई थी। पूछताछ के दौरान आरोपी टोनी ने खुलासा किया कि उक्त अवैध हथियार उसे सुमित नामक व्यक्ति द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे। सीआईए एएसआई प्रदीप कुमार के नेतृत्व में टीम ने न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर आरोपी सुमित निवासी गांव अशोदा जिला झज्जर को गिरफ्तार किया।

सीजेएम पवन ने जेल और सेफ हाउस का किया औचक निरीक्षण

- सीजेएम ने कानूनी सहायता क्लीनिक का भी किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। सेफ हाउस में युगल जोड़ों से बातचीत करते सीजेएम पवन कुमार।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के निर्देशानुसार प्राधिकरण के सीजेएम-कम-सचिव सीजेएम पवन कुमार ने जिला कारागार और सेफ हाउस का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैदियों-हवालातियों को उनके केसों में आ रही मुश्किलों को सुना व समस्याओं के समाधान संबंधी जानकारी दी। सीजेएम पवन कुमार ने जेल की बैरिकों व जेल में स्थापित कानूनी सहायता क्लीनिक और जेल अस्पताल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जेल की कीचन का भी दौरा कर निरीक्षण किया। उन्होंने जेल अधिकारियों को खाना पकाने के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जेल व सेफ हाउस स्टाफ सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

न्यायालय ने दो आरोपियों को पांच वर्ष कारावास और जुर्माना की सजा सुनाई

- बाइक सवार से बाइक व पर्स छीनने का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया की अदालत ने मोटरसाइकिल सवार से मोटरसाइकिल व पर्स छीनने के मामले में दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए कठोर कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई है। भूपेंद्र निवासी तोशाम ने थाना तोशाम में शिकायत दर्ज करवाई थी कि गत 10 मार्च 2024 को वह अपनी ड्यूटी से घर लौट रहे थे। गांव पिंजोखरा के पास पीछे से बिना नंबर की बाइक पर सवार दो युवक आए और उनकी बाइक व पर्स छीनकर फरार हो गए। शिकायत पर अभियोग संख्या 64 दिनांक 10 मार्च 2024 धारा 379-ए, 341, 34 भारतीय दंड संहिता के तहत मामला थाना तोशाम में दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। पुलिस ने त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

न्यायालय ने गवाहों के आधार पर करार दिए दोषी

सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। न्यायालय द्वारा सुनाई सजा न्यायालय ने आरोपी मंदिप पुत्र सुरेश निवासी गांव पिंजोखरा जिला भिवानी को धारा 379-ए/34 भारतीय दंड संहिता के तहत पांच वर्ष का कारावास व 25000 रुपये जुर्माना तथा धारा 341/34 भारतीय दंड संहिता के तहत एक माह का कारावास व 500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। वहीं दूसरे आरोपी कुलदीप पुत्र हरफूल निवासी गांव पिंजोखरा जिला भिवानी को भी धारा 379-ए/34 भारतीय दंड संहिता के तहत पांच वर्ष का कारावास व 25000 रुपये जुर्माना तथा धारा 341/34 भारतीय दंड संहिता के तहत एक माह का कारावास व 500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

तोशाम। मृतक पशुओं को लेकर जाते पशुपालक व परिजन।

तीन पशुओं की मौत, जहर देकर मारने का आरोप

तोशाम। तोशाम क्षेत्र के गांव खरकड़ी सोहान में पशुपालक की दो कटड़ी तथा एक कटड़े की मौत हो गई। उनके पास जहर की बोतल भी पड़ी मिली है। पशुपालक ने उसके पशुओं को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। पशुपालक सोमवीर ने बताया कि हम रात को कटड़ी व कटड़े को बांधने के पश्चात सो गए थे। सुबह जब दूध निकालने के लिए आए तो देखा कि कटड़ा मरा हुआ था तथा कटड़ी तड़प रही थी।

हमने तुरंत पशु चिकित्सक को बुलाया। पशु चिकित्सक ने बताया कि कटड़े की मौत जहर खाने से हुई है। पशुपालक ने बताया कि पशुओं के चारे के पास जहर की बोतल भी पड़ी मिली है, जिससे किसी अज्ञात व्यक्ति ने पशुओं के चारे में जहर मिलाया है, जिससे उसके पशुओं की मौत हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन व सरकार से पशुपालक की आर्थिक मदद की मांग की।

माकपा जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 24 मार्च को करेगी रैली

- रैली की तैयारियों के लिए प्रदेश में चलाए जा रहे है दो जत्थे

भिवानी। भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 24 मार्च को दिल्ली में रामलीला मैदान में रैली आयोजित करेगी। रैली की तैयारियों में प्रदेशभर में दो जत्थे चलाए जाएंगे, जिनमें पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व भी हिस्सा लेगा। हरियाणा से हजारों लोग रैली में हिस्सा लेंगे। दो दिवसीय बैठक रोहतक में जसबीर स्मारक में हुई। बैठक की अध्यक्षता कामरेड इंद्रजीत सिंह ने की तथा संचालन राज्य सचिव कामरेड प्रेमचंद ने किया। कामरेड ओमप्रकाश ने बताया कि 24 मार्च को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली की जाएगी। रैली में देशभर से मजदूरों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों की व्यापक भागीदारी होगी। इस अवसर पर सीकर से सांसद कामरेड अमराराम ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण रोजगार, खेती और श्रमिक अधिकारों पर गंभीर हमला हो रहा है। गरीब परिवारों की 100 दिन रोजगार गारंटी को खत्म कर वीबी ग्राम जी कानून लाया गया है। इससे गरीबों के जीवन यापन की स्थितियां विकट होंगी।

नपा कार्यालय में विधायक व चेयरमैन ने पार्षदों संग की मीटिंग

विकास कार्यों में पारदर्शिता व गुणवत्ता का रखें ध्यान: कपूर

खेल स्टेडियम, मुख्य चौक, स्मार्ट रोड, योगशाला, लाइब्रेरी एवं पार्कों का होगा सौंदर्यकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

भिवानी। बैठक में विकास कार्यों को लेकर रोड मैप तैयार करते हुए।

बवानीखेड़ा शहर के विकास को लेकर नगर पालिका कार्यालय परिसर में बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने की, जिसमें तमाम पार्षदों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। बैठक में हल्का विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने पहुंचकर अहम भूमिका अदा की। नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री के साथ बैठक कर कस्बे के विकास कार्यों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक में शहर के विभिन्न वार्डों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की तथा आगामी योजनाओं को लेकर सुझाव लिए।

बैठक में विशेष रूप से शहर में होने वाले प्रमुख विकास कार्य खेल स्टेडियम, मुख्य चौक, शहीद गुलाबसिंह पार्क एवं अन्य पार्कों के सौंदर्यीकरण, हुड्डा सेक्टर के रोड, शहर में प्रवेश द्वार, स्मार्ट रोड एवं स्मार्ट बाजार, योगशाला, लाइब्रेरी, नपा के नए कार्यालय, विश्राम गृह आदि पर विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के समक्ष चेयरमैन सुंदर अत्री ने अपना रोड मैप सांझा किया। विधायक कपूर सिंह ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। वहीं चेयरमैन अत्री ने आश्वस्त किया कि शहर के प्रत्येक वार्ड में आवश्यकतानुसार मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध करवाया जाएगा। इस मौके पर एमई पंकज मिश्रा,एसआई कपूरसिंह, शिवपाल, कर्मबीर, पार्षद अशोक, रिंकू, दीपक सैनी, सुभाषचंद्र, बलराम गुर्जर, पार्षद भरत गुज्जर मौजूद रहे।

दुकान से मोटर चुराने का आरोपी किया गिरफ्तार

- पुलिस ने चोरी की मोटर व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

थाना बवानीखेड़ा पुलिस टीम ने दुकान से मोटर चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इस संबंध में शिकायतकर्ता दीपक निवासी जमालपुर ने थाना बवानीखेड़ा में शिकायत दर्ज करवाई कि वह बाजार जमालपुर में मोटर बाइंडिंग का कार्य करता है। गत 15 फरवरी को प्रातः लगभग 10 बजे वह अपनी दुकान का शटर बंद कर शादी के कार्ड बांटने गया था। दोपहर में लौटकर देखा तो दुकान का शटर खोलकर अज्ञात व्यक्ति उसकी दुकान से एक मोटर चोरी कर ले गया। थाना बवानीखेड़ा पुलिस टीम ने आरोपी को गांव सीपर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बब्बू निवासी गांव सीपर के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटर बरामद की तथा चोरी की वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी पुलिस कब्जे में लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जिला कारागार भिजवाने के आदेश जारी किए गए हैं।

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा मशहूर यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

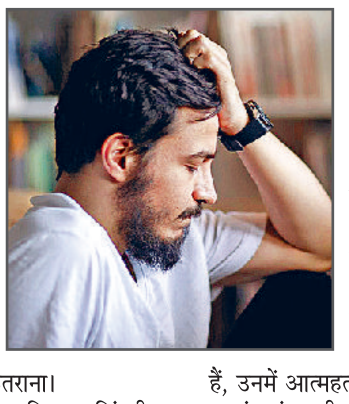

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमसुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

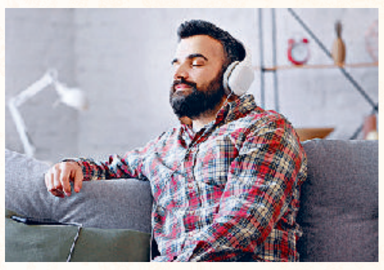

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

खबर संक्षेप

जनगणना 2027 को लेकर बैठक आयोजित

चरखी दादरी। उपायुक्त एवं प्रधान जनगणना अधिकारी डा मुनीश नागपाल की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित सभागार में जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जनगणना कार्य को राष्ट्रीय महत्व का दायित्व बताते हुए समय पर और सटीक आंकड़े संकलित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकानों की सूचीकरण एवं गणना कार्य मई महीने में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए विभागों के बीच समन्वय, प्रशिक्षण, क्षेत्रीय सत्यापन तथा लॉजिस्टिक व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि भारत की जनगणना विश्व की सबसे बडी जनगणना है।

बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत निषेधाज्ञा आदेश जारी

चरखी दादरी। जिलाधीश डा मुनीश नागपाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली दसवीं व बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं को शांतिपूर्ण संपन्न करवाने के उद्देश्य से निषेधाज्ञा आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तुरंत प्रभाव से 11 अप्रैल 2026 तक जिला में स्थित सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर प्रभावी रहेगा। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश के तहत सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में स्थित फोटोस्टेट मशीन की दुकानें, डुप्लीकेटिंग सुविधाएं एवं साइबर कैफे बंद रहेंगे। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश के अनुसार परीक्षार्थियों एवं ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के अतिरिक्त बाहरी व्यक्ति का परीक्षा केंद्रों में प्रवेश वर्जित रहेगा।

डॉ. गोयल बने सोसायटी के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष

रेवाड़ी। मधुमेह के क्षेत्र में रिसर्च करने वाली एशिया की सबसे बड़ी व प्रतिष्ठित संस्था रिसर्च सोसायटी फॉर स्टडी आफ डायबिटीज इन इंडिया द्वारा हाल ही में सम्पन्न हुए चुनाव में शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पवन कुमार गोयल को हरियाणा इकाई का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। यह सम्मान चिकित्सा पेशे के प्रति उनके समर्पण, प्रतिबद्धता तथा हरियाणा के चिकित्सा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और लोकप्रियता का प्रतीक है।

नब्बे फीसदी फीडर ओवरलोड होने से बिजली निगम की नींद उड़ी

तापमान बढ़ते ही सिंचाई के लिए बिजली फीडरों पर बढ़ा दबाव

एक फीडर पर दो चरणों में की जा रही है आपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

भिवानी। बाढ़ड़ा उपमंडल का बिजली आपूर्ति कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

उपमंडल क्षेत्र में बढ़ते तापमान के कारण गेहूं, सरसों व जौ की फसलों की सिंचाई में भी तेजी आ गई है। फसलों पर गर्मी की मार रोकने के लिए ज्यादा सिंचाई करने के लिए बिजली आपूर्ति ट्यूबवैलों की ज्यादा डिमांड बढ़ने से बिजली निगम के तीन दर्जन से अधिक फीडर ओवरलोड हो गए हैं, जिससे निगम की नींद उड़ गई है। निगम के सभी फीडरों पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक ही शेड्यूल में एक ही फीडर पर दो चरणों में आपूर्ति की जा रही है। किसान व निगम अब फसलों पर समय पर सिंचाई का पानी मुहैया करवाने के लिए बड़ी बेसब्री से बरसात के इंतजार में है।

दक्षिणी हरियाणा के रेतीले क्षेत्र में भूमिगत जल स्तर काफी नीचे होने व नहरी पानी न के बराबर होने से रबी व खरीफ सीजन की फसलों में सिंचाई का नब्बे फीसदी बिजली संचालित ट्यूबवैलों पर निर्भर हैं। रबी सीजन की फरवरी माह में बरसात न होने से गेहूं के मध्य व सरसों के पौधे को अंतिम सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता होने के कारण बिजली निगम पर सबसे अधिक दबाव आता है। रबी सीजन के मौजूदा समय में भी जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में मात्र दो से दस एमएम बरसात हुई थी और उसके बाद तो मौसम में दो सप्ताह तक कोहरा छाया रहा, लेकिन अब दो सप्ताह से लगातार तेज गर्मी के कारण गेहूं, सरसों, चने की फसले जल्द सिंचाई की जरुरत महसूस कर रही हैं और ट्यूबवैलों की बिजली डिमांड बढ़ रही है, जिससे निगम के होश फाख्ता हो गए हैं। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा उपमंडल के 132 गांवों को 132 केवी बिजली सब स्टेशन बाढ़ड़ा, बेरला, कादमा व पिचौपा कलां, लाड, मांढी, बेरला, काकड़ौली व द्वारका आदि 33 केवी बिजली घरों से कृषि, घरेलू व कमर्शियल आपूर्ति की जा रही है, लेकिन यहां से संचालित अलग अलग श्रेणी में से अभी केवल कृषि क्षेत्र का फीडर ही ओवरलोड की समस्या से जूझ रहा है। काकड़ौली बिजलीघर के प्रभारी जगतसिंह जीतपूरा ने बताया कि रबी सीजन में बरसात की देरी से हर बार यही हालात पैदा होते हैं।

बिजली कटों से बनती समस्या: किसान

किसान सत्यपाल सिंह, रामफल, बलवान श्योराण, सतबीर सिंह ने बताया कि फरवरी माह के दूसरे सप्ताह के बाद भी बरसात नहीं होने से कृषि क्षेत्र में सिंचाई की तलब बढ़ जाती है। इस क्षेत्र के किसान जल्दी से जल्दी अपनी फसलों की सिंचाई करना चाहते हैं, लेकिन सभी फीडरों पर एक साथ आपूर्ति होने से फीडरों पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे अघोषित कटों को झेलना पड़ रहा है। उन्होंने बिजली निगम से कृषि क्षेत्र में आपूर्ति में बढ़ोतरी की मांग की। इस बारे में एसडीओ रामसिंह ने बताया कि रबी सीजन की फसलों में सिंचाई का दौर शुरु होता है और फीडरों पर ओवरलोड की समस्या आती है, लेकिन निगम ने पूरी मुस्तैदी से प्रत्येक फीडर को पहले ही निर्धारित शेड्यूल के हिसाब से आवंटन किया है। एक दो फीडरों पर ज्यादा दबाव बढ़ता है तो उसे दो चरणों में चलाया जाएगा।

जेईई मेन परिणाम में आर्य करियर इंस्टीट्यूट के समीर ने जिले में किया टॉप

भिवानी। जेईई मेन परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आर्य करियर इंस्टीट्यूट विद्यार्थी व निदेशक वजीर मान।

- 10 विद्यार्थियों ने हासिल किए 92 पर्सेंटाइल से अधिक अंक, 20 ने किया क्वालीफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित जेईई मेन 2026 सत्र-1 का परिणाम एनटीए द्वारा घोषित हुए परिणाम में ढिगावा के आर्य करियर इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। संस्थान के 10 विद्यार्थियों ने 92 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि कुल 20 विद्यार्थियों ने परीक्षा क्वालीफाई कर सफलता का परचम लहराया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बुढेड़ा गाँव के समीर पुत्र संजय कुमार ने 99.80 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त कर जिले शीर्ष स्थान हासिल किया है।

संस्थान के निदेशक वजीर मान ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये सफलता सही मार्गदर्शन, उत्कृष्ट शिक्षा, अनुशासन, संस्कार और विद्यार्थियों की अथक मेहनत का परिणाम है। मान ने बताया कि परिणामों में बुढ़ेड़ा के समीर पुत्र श्री संजय कुमार 99.80 पर्सेंटाइल, सौरव ने 97.99 पर्सेंटाइल, आर्याही ने 97.92 पर्सेंटाइल, अजय कुमार ने 96.82 पर्सेंटाइल, हर्ष पुत्र दयानंद ने 96.24 पर्सेंटाइल, निकुंज कुमार बड़दु चैना ने 96.02 पर्सेंटाइल, हर्ष बिधवान 94.78 पर्सेंटाइल , हर्ष मान झूपा कलां ने 94.23 पर्सेंटाइल, नकुल सिंह ने 93.12 पर्सेंटाइल, अमन कुमार पहाड़ी ने 92.11 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं। आर्य संस्थान के माध्यम से क्षेत्र से हजारों की संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, लेफ्टिनेंट और सीए देश सेवा के लिए निकलेंगे। संस्थान के सीईओ राजबीर श्योराण ने भी विद्यार्थियों की बधाई दी। बेहतर परिणाम के बाद संस्थान के सैकड़ों विद्यार्थियों ने क्वालीफाई विद्यार्थियों के साथ विभिन्न गाँवों में सम्मान यात्रा निकाली तथा विभिन्न स्थानों पर उनका सम्मान किया। सिंघानी गांव में पूर्व सरपंच सुरेंद्र राठी एवं ग्रामीणों ने विद्यार्थियों का फूल मालाओं से अभिनंदन किया।

ये रहे मौजूद

लोहारू में कमलेश भोडूका, रत्न अग्रवाल, मुकेश नकीपुर, चैहड़ खुर्द के सरपंच संदीप श्योराण , बहल सुमेर सिंह, अजित श्योराण, बिमला श्योराण, पवन गोकुलपुरा, अनुज बसंल, बंटी मित्तल, संजय बूढ़ेड़ा, विजय बूढ़ेड़ा , ढिगावा, जुई और बाढड़ा में स्टैंड विद नेचर की टीम आदि ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

संघर्ष समिति ने पुरानी पेंशन बहाली को लेकर शहर में किया प्रदर्शन

पेंशन बहाली को लेकर विधायक को संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

भिवानी। लोहारू में आवास पर विधायक राजबीर फरटिया को ज्ञापन सौंपते हुए विभिन्न संगठनों के कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

मंगलवार को पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने लोहारू में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर प्रदर्शन किया और बाद में अपनी मांगों को लेकर कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। इससे पहले संघर्ष समिति के बैनर तले लोगों ने शहर में प्रदर्शन भी किया।

समिति के जिला प्रधान नरेश मेहता, सुरेंद्र सिंह ढाणी टोडा जिला महासचिव, ब्लॉक प्रधान सिंवानी धोलूराम, ताराचंद जिला प्रधान दादरी, महेंद्र सिंह मान जिला प्रधान हसला भिवानी, ब्लॉक प्रधान यशपाल, मुकेश धानिया सचिव, रेखा श्योराण ब्लॉक प्रधान अध्यापक संघ लोहारू, राजवंती, कंचन, सुदेश, निर्मला पूनिया अध्यापक संघ, रमेश लांबा उप प्रधान रोडवेज, विनोद गिगनाऊ जिला सह सचिव, सुखबीर सिंह, रणवीर सिंह, जिले सिंह, राजेश, राकेश सत्येंद्र सांगवान ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। विधायक फरटिया ने संघर्ष समिति को भरोसा दिलाया कि वे उनकी मांग को विधानसभा में भी उठाएंगे और उनके हकों की लड़ाई के लिए उनके साथ रहेंगे। विधायक ने आश्वासन दिया की मौजूदा सरकार यदि लागू नहीं करती है तो कांग्रेस सत्ता में आते ही पहले कलम से पुरानी पेंशन को बहाल करवाने का प्रयास करेंगे।

अनाजमंडी व मुख्य बाजार का राजस्व रिकार्ड दुरुस्त करवाने की मांग

व्यापार मंडल ने विधायक राजबीर फरटिया को सौंपा मांगों का ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

भिवानी। लोहारू में कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया को ज्ञापन देते लोहारू के व्यापारी और गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

शहर के मुख्य बाजार और अनाजमंडी के राजस्व रिकार्ड को दुरुस्त करवाने की मांग को लेकर मंगलवार को व्यापार मंडल के महासचिव संजय खंडेलवाल के नेतृत्व में व्यापारी कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया से मिले और ज्ञापन सौंपा। विधायक फरटिया ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि वे उनकी हकों की लड़ाई के लिए कोई कसर नही छोड़ेगे।

व्यापारी संजय खंडेलवाल, निरंजन तायल, पुरुषोत्तम लाल गौतम, पार्षद अजय शर्मा, पार्षद रवि केडिया, रामभगत सोलंकी, विजय बाढ़डिया, सुधीर केडिया, श्याम सुंदर बंसल, राधा कृष्ण, प्रदीप जैन, कर्ण गुप्ता, ललित बजाज आदि ने सौंपे ज्ञापन में बताया कि तत्कालीन नवाब द्वारा वर्ष 1939 में ठाकुर भगवंत सिंह से जमीन खरीदी थी, जिसका इंतकाल नंबर 874 था तथा अनाजमंडी और बाजार विकसित किया गया था, जिसके लिए नवाब द्वारा लोगों को कबाले दिए गए थे तथा जो नगर पालिका एसेसमेंट रिकार्ड में दर्ज हैं। वर्ष 1948 में उक्त इंतकाल को खारिज कर दिया, जबकि खारिज की कोई रिपोर्ट भी दर्ज नही की गई तथा उन्होंने रिकार्ड के साथ छेड़छाड़ का आरोप भी लगाया। उन्होंने बताया कि राजस्व रिकार्ड में आज भी जमीन खाली खेत के रूप में दिखाई गई जबकि इस जमीन पर दशकों पुराना बाजार और अनाज मंडी है। व्यापारियों ने बताया कि वे मामले को लेकर कई बार उपायुक्त से मिल चुके तथा उपायुक्त ने इसको लेकर वर्ष 2021 में 6 सदस्यों की कमेटी भी बनाई थी।

इंतकाल नंबर 874 को बहाल करवाने की मांग

ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने इंतकाल नंबर 874 को बहाल करवाने और नगरपालिका के रिकार्ड अनुसार लोगों की प्रॉपर्टी आईडी बनवाए जाने की मांग की है। विधायक ने कहा कि वे व्यापारियों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्या के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन को प्रदान करता है नि:शुल्क कानूनी मदद : काजला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

भिवानी। प्रदर्शनी का अवलोकन करते डा गगनदीप कौर सिंह। फोटो : हरिभूमि

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सहायता प्रदान करना है ताकि आर्थिक या किसी अन्य अक्षमता के कारण कोई भी नागरिक न्याय पाने से वंचित न रहे। ऐसे लोगों को सरकारी सेवाओं के माध्यम से लाभ दिलवाने में भी प्राधिकरण अहम भूमिका निभाता है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा गगनदीप कौर सिंह के मार्गदर्शन में बुधवार को संस्कार स्कूल में एक मेगा कैंप का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के के सचिव एवं सीजेएम संजीव काजला ने कैंप का अवलोकन किया और कहा कि प्राधिकरण जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर है और निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करता है। प्राधिकरण का सबसे महत्वपूर्ण कार्य पात्रों को कानूनी मदद देना है। इसमें न्यायालयों में पैरवी के लिए निशुल्क वकील उपलब्ध कराना, कोर्ट फीस, अदालती प्रक्रिया का शुल्क और अन्य कानूनी खर्चों का भुगतान करना आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की ओर से समय समय पर जरूरतमंद लोगों की सुविधा के लिए ऐसे कैंप लगाए जाते हैं, जहां उन्हें सरकारी योजनाओं को लेकर सहायता उपलब्ध करवाई जाती है।

भिवानी। मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

तिगड़ाना के बिचला बाबा परमहंस मंदिर में मेडिकल कैंप में 400 मरीजों की हुई जांच

भिवानी। अंचल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल व मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को गांव तिगडाना स्थित बिचला बाबा परमहंस मंदिर में पूर्व सैनिकों, उनके परिवारजनों एवं समस्त ग्रामीणों के लिए निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्यतिथि महंत विनोद महाराज रहे, जबकि कैंप के संयोजक डॉ. विनोद अंचल रहे। मंच संचालन राज्य पुरस्कार विजेता दीपा तंवर ने किया। कैंप का शुभारंभ मुख्यतिथि महंत विनोद महाराज ने द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। शिविर में 400 मरीजों की जांच की गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनोद अंचल ने बताया कि कैंप में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों की जांच की गई। शिविर में बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, ईसीजी, पीएफटी, एक्स-रे, बीएमडी तथा लिपिड प्रोफाइल (खाली पेट) सहित अनेक आवश्यक जांचें निःशुल्क की गईं।

कानूनी सहायता क्लीनिक से वीर परिवारों को मिलेगा मुफ्त कानूनी सहयोग

सैनिक बोर्ड में कानूनी सहायता क्लीनिक का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। जिला सैनिक बोर्ड में कानूनी सहायता क्लीनिक का उद्घाटन करते सीजेएम पवन कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के निर्देशानुसार सीजेएम एवं प्राधिकरण सचिव पवन कुमार ने जिला सैनिक बोर्ड परिसर में कानूनी सहायता क्लीनिक का रिबन काटकर विधिवत उद्घाटन किया। सीजेएम पवन कुमार ने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा 26 जुलाई 2025 को नालसा वीर परिवार सहायता योजना-2025 का शुभारंभ किया था।

क्लीनिक का मुख्य उद्देश्य शहीद सैनिकों के परिवारों, पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना है। क्लीनिक वीर परिवारों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें कानूनी जटिलताओं के समाधान में सीधी मदद भी करेगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की ओर से प्रत्येक बुधवार को एक पैनल अधिवक्ता एवं एक अधिकार मित्र (पीएलवी) पूरे दिन क्लीनिक में सेवाएं देंगे।

तोहफा कुल 1209 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए, विभाग को 84 ट्रैक्टरों का लक्ष्य प्राप्त

लक्की ड्रा के विजेता अनुसूचित जाति के किसानों को मिलेंगे ट्रैक्टर

- जिप सीईओ चोपड़ा ने अनुसूचित जाति श्रेणी के किसानों को ड्रा से ट्रैक्टर मिलने पर दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। पंचायत भवन में ट्रैक्टर ड्रा प्रक्रिया देखते जिप सीईओ अजय चौपड़ा व अन्य।

डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में पंचायत भवन में राज्य योजना (एसबी-89) वर्ष 2025-26 के अंतर्गत ट्रैक्टरों का ऑनलाइन ड्रॉ निकाला। ट्रैक्टरों का ड्रा जिला परिषद के सीईओ अजय चोपड़ा की अध्यक्षता में निकाला गया। इस दौरान सीईओ चोपड़ा ने सभी चयनित किसानों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार की पहल किसानों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में मजबूती प्रदान करेगी। किसानों के खेती कार्य में ट्रैक्टर बहुत अधिक सहायक होता है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति श्रेणी के किसानों को सरकारी योजना के अंतर्गत ड्रा प्रक्रिया के माध्यम से आवंटित किए ट्रैक्टर से फसल अवेशष प्रबंधन का प्रयोग कर आय को बढ़ाएं। ट्रैक्टर से किसानों को खेती के कार्यों में सुविधा होगी, समय की बचत होगी तथा उत्पादन में भी वृद्धि होगी।

ऑनलाइन ड्रा प्रक्रिया आवेदक किसानों की मौजूदगी में पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। इस दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. विनोद फोगाट व सहायक कृषि अभियंता नसीब सिंह ने कृषि यंत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभाग को कुल 1209 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि विभाग को 84 ट्रैक्टरों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके अलावा 84 किसानों को प्रतीक्षा सूची में भी रखा गया है। जिन किसानों का ड्रा निकला है, उनकी 24 फरवरी तक सभी दस्तावेजों की वेरीफिकेशन होगी। तीन मार्च को अप्रूवल पत्र जारी कर दिया जाएगा। आठ मार्च तक ट्रैक्टर खरीदकर 10 मार्च तक विभाग के पोर्टल पर बिल अपलोड करना होगा। 11 मार्च को डीलर द्वारा ट्रैक्टर को अप्रूव किया जाएगा। 16 मार्च को ट्रैक्टर की फाइनल अप्रूवल हो जाएगी। किसान अपना आवेदन फार्म, पीपीपी, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता संख्या की फोटो प्रति, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल का पंजीकरण पत्र, किसान आईडी, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र व शपथ पत्र आदि की फोटो प्रति व मूल प्रति लेकर पहुंचे।

ऐसे मिलेगा ट्रैक्टर पर अनुदान

सरकार की योजना के अनुसार किसान को 45 एचपी या उससे अधिक एचपी का ट्रैक्टर खरीदना होगा। किसान को 50 प्रतिशत या अधिकतम तीन लाख रुपये तक का अनुदान मिलेगा। यानि छह लाख रुपये तक के ट्रैक्टर की लागत का 50 प्रतिशत और किसान छह लाख से अधिक का ट्रैक्टर खरीदता है तो उस पर भी तीन लाख रुपये तक ही अनुदान दिया जाएगा

पैदल गश्त से लोगों में विश्वास जमा रही पुलिस, पब्लिक से संवाद करने में जुटी

रेवाड़ी। आमजन में विश्वास बढ़ाने और लोगों को सुरक्षित माहौल का भरोसा दिलाने के लिए आजकल थाना प्रभारी पैदल गश्त करते हुए उनके बीच जा रहे हैं। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा के निर्देश पर पैदल सड़कों पर निकल रहे थाना प्रभारी न सिर्फ लोगों की समस्याओं को साझा करते नजर आ रहे हैं, बल्कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षित माहौल मुहैया कराने का आश्वासन भी दे रहे हैं। मंगलवार देर शाम भी गश्त के दौरान थाना प्रभारियों के साथ स्थानीय व्यक्ति व पुलिस के जवान भी उपस्थित रहे। उन्होंने क्षेत्र के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों, व्यापारियों और युवाओं से सीधा संवाद किया और पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उनके सुझाव भी आमंत्रित किए। उन्होने ने इस अवसर पर कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें। पुलिस जनता की मित्र है और हमारा निरंतर प्रयास है कि अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ आमजन का पुलिस पर विश्वास भी सुदृढ़ हो। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं को नशे से दूर रहने और शिक्षा एवं खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

बेदखली सूचना

हम, सीता राम पुत्र श्री विष्णु भगवान, बबिता पत्नी सीताराम निवासीयान गली न० 5, विधा विहार कालोनी चरखी दादरी तहसील व जिला चरखी दादरी घोषणा करते है कि हमारा लड़का आशीष सिंगल व पुत्रवधु शैंकी दोनों हमारे व हमारे परिवार के कहने व सुनने के बाहर है अतः हम इन दोनों को अपनी तमाम चल अचल सम्पति से बेदखल करते है भविष्य मे इनसे लेन देन व व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा हमारी व हमारे परिवार के किसी सदस्य की कोई जिम्मेवारी ना होगी

शपथकर्ता

खबर संक्षेप

खाटू धाम के लिए आज रवाना होगी पैदल यात्रा

भिवानी। श्रीश्याम गुणगान मंडल के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति 19 फरवरी को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ श्रीश्याम बाबा की 24वीं पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। पदयात्रा जैन चौक स्थित श्रीसनातन धर्म मंदिर से खाटूधाम के लिए सवा 11 बजे रवाना होगी। मंडल के प्रधान आत्मप्रकाश महत्ता व सेवक प्रवीण बासिया ने बताया कि पैदल यात्रा में ओमप्रकाश इंदोरिया, सूरजगढ़ धाम का सान्निध्य रहेगा। पदयात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। पैदल यात्रा रवाना होने से पूर्व श्रीसनातन धर्म मंदिर में निशान कीर्तन किया जाएगा।

एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर सेमिनार 22 फरवरी को

भिवानी। एक राष्ट्र, एक चुनाव एवं मीडिया विषय पर जर्नलिस्ट क्लब भिवानी द्वारा सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष एवं एक राष्ट्र एक चुनाव के जिला संयोजक डॉ. विनोद आंचल ने बताया कि 22 फरवरी को होने वाले सेमिनार के मुख्य वक्ता भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ रहेंगे। उन्होने बताया कि चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. जितेंद्र भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित सेमिनार के अति विशिष्ट अतिथि एक राष्ट्र, एक चुनाव के प्रदेश संयोजक विजयपाल और भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य शंकर धूपड़ होंगे।

खेल नर्सरियों के लिए 22 तक करें आवेदन

चरखी दादरी। खेल विभाग द्वारा आगामी सत्र 2026-27 में सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायतों एवं निजी शिक्षण संस्थानों में खेल नर्सरियां आवंटित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिनकी अंतिम तिथि को बढ़ाकर 22 फरवरी कर दिया गया है। जिला में खेल नर्सरी संचालित करने के इच्छुक सरकारी स्कूल, ग्राम पंचायत एवं निजी शिक्षण संस्थान अब 22 फरवरी 2026 तक खेल विभाग की आधिकारिक वेबसाइट हरियाणास्पोर्टस. जीओवी.आईएन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। खेल नर्सरियां केवल ओलंपिक, एशियन एवं कॉमनवेल्थ खेलों में शामिल खेल विधाओं के लिए ही खोली जाएंगी। उन्होंने संबंधित संस्थानों से निर्धारित समयावधि के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने का आह्वान किया है।

पानी की कमी से नहरों का निकला दम, नहीं भर पाएंगे जलघर

पानी घटने से सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को किया बंद, जुई फीडर में छोड़ा पानी

राशनिंग से हो रही थी पेयजल सप्लाई, पर्याप्त पानी नहीं मिलने से नहीं हो रहा समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

इस बार किसानों को नहरी पानी की जबरदस्त किल्लत झेलनी पड़ेगी, क्योंकि सिंचाई विभाग की डिमांड के अनुसार पानी नहीं मिलने से बनी समस्या के बाद एक के बाद एक नहर को बंद किया जा रहा हैं। नहरी पानी कम मिलने से सुंदर ग्रुप की नहरों में एक साथ पूरा पानी नहीं बह सका। सिंचाई विभाग ने सुंदर ग्रुप की नहरों के लिए 22 सौ क्यूसेक पानी की मांग भेजी थी, लेकिन पीछे से महज 1309 क्यूसेक ही पानी मिल पाया था, जो डिमांड से 900 क्यूसेक कम था, जिसके चलते सिंचाई विभाग को मजबूरन जुई फीडर व निगाना फीडर को बंद करना पड़ा था। बुधवार को पानी की कमी के चलते अब सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को भी बंद कर दिया गया हैं और जुई फीडर में पानी छोड़ा गया हैं।

उल्लेखनीय हैं कि ये माह किसान व शहरवासियों के लिए बड़ा परेशानी भरा हैं। 14 फरवरी को सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी छोड़ा गया था, लेकिन पानी पीछे से डिमांड के अनुसार नहीं मिला। सिंचाई विभाग ने जिलेभर की नहरों के लिए 2200 क्यूसेक पानी की डिमांड भेजी थी, लेकिन मात्र 1309 क्यूसेक पानी ही मिला था, जो डिमांड से 900 क्यूसेक कम था, जिसकारण जुई व निगाना फीडर में पानी ही नहीं छोड़ा गया था और उसे बंद रखा गया था। इसके बाद सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में क्षमता से भी 100 क्यूसेक पानी कम होने पर मंगलवार को मिताथल फीडर को भी बंद कर दिया गया। अब जलघरों की स्थिति, शहर व ग्रामीण इलाकों के जलघरों में पानी पहुंचाने के लिए मजबूरीवश सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को भी बंद कर दिया गया। अब जुई फीडर में पानी छोड़ा गया हैं, वो भी पूरा नहीं। जुई फीडर की क्षमता 900 क्यूसेक हैं और मजबूरीवश उसमें शेष बचा 550 क्यूसेक पानी ही छोड़ा गया हैं, ताकि शहरवासियों व ग्रामीणों इलाकों के जलघरों में कुछ पानी पहुंच सके और लोगों का गला तर हो सकें। पहले अधिकारियों को उम्मीद थी कि पानी बढ़ जाएगा, लेकिन पानी बढ़ने की बजाय लगातार घटता गया, जिसके चलते सिंचाई विभाग को मिताथल फीडर को बंद कर दिया। केवल सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में ही पानी चलाया गया और बुधवार तड़के पानी घटकर मात्र 550 क्यूसेक ही रह गया।

भिवानी। जुई फीडर में बहता पानी। फोटो : हरिभूमि

कल मिलेगा राशनिंग से छुटकारा

सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को बंद करने के बाद जुई फीडर में पानी छोड़ा गया हैं, जिसके बाद शहर में पीने के पानी की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। चूंकि अब तक शहर में तीसरे दिन पानी की सप्लाई दी जा रही थी। जलघरों में पानी पहुंचने के बाद पानी की सप्लाई नियमित हो जाएगी, लेकिन पूरा पानी नहीं मिलने से समस्या तो रहेगी ही।

अधिकारियों के लाख जतन के बाद भी नहीं बढ़ा

सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने पानी बढ़वाने के लाख जतन किए पर बात नहीं बनी, लेकिन बात नहीं बनी। ज्यादा घटने की वजह से विभाग ने सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को बंद कर जुई फीडर में पानी छोड़ दिया। अब जुई फीडर में 900 क्यूसेक की बजाय महज साढ़े पांच सौ क्यूसेक पानी चलाया जा रहा, इससे फीडर के सभी टेल नील हो जाएंगे। दूसरी तरफ पानी कम होने जलघरों तक पानी पहुंचना भी मुश्किल हो जाएगा।

महाराजा अग्रसेन को माल्यार्पण व योग शिक्षकों को किया सम्मानित

भिवानी। महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

अग्रवाल वैश्य समाज चरखी दादरी द्वारा फाल्गुन अमावस्या पर अग्रसेन धर्मशाला में प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता के मार्गदर्शन में जिलाध्यक्ष सुरेश ऐरन की अध्यक्षता में माल्यार्पण व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रवाल वैश्य समाज के संरक्षक बिशंभर देवसरिया, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष हरी राम खुडानिया व अग्रवाल सभा के पूर्व सचिव सुरेश ऐरन ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। योग शिक्षक पुरुषोत्तम बंसल व हरिराम बबलू ने ज्योति प्रज्ज्वलित की।

विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं से पधारे श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित किए। इसके पश्चात सामूहिक आरती-वंदना कर प्रसाद वितरण किया गया। मंच संचालन विनोद गर्ग ने किया। सभा के वरिष्ठ पूर्व सचिव सुरेश ऐरन को उनके द्वारा समाज में लंबे समय से दी जा रही सेवाओं के लिए व योग गुरु पुरुषोत्तम बंसल एवं हरिराम बबलू को योग शिक्षक के रूप में समाज में दी जा रही उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अंगवस्त्र व मोतीमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा महाराजा अग्रसेन के स्मृति चिन्ह भेंट किए।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में बलराम गुप्ता,सुरेश ऐरन, हरी राम खुडानिया, बिसम्बर देवसरिया, श्याम सुंदर चिड़िया वाले, पवन गुप्ता, गणेश गोयल, विनोद जैन, श्रवण गुप्ता, निरजंन सिंगला, मास्टर रामबिलास, मित्तेश काहनोरिया, राजेश सिंगल, गजानन्द समसपुरिया, पवन दिल्लीवान, देवेंद्र मित्तल, राकेश गुप्ता, देवकीनन्दन, दिनेश शास्त्री, पवन लुहानी वाले, भारत भुषण, संजय कानेजर, आन्नद गुप्ता, नरेश सांपला, रिषि दुबलधनिया, अंकित गुप्ता, अनील गर्ग आदि मौजूद रहे।

बसंत-बयार कार्यक्रम में वैश्य कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया सराहनीय प्रदर्शन

■ अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में वैश्य कॉलेज के कलाकारों ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सांस्कृतिक गतिविधियों की अहम भूमिका होती है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वो एकाग्रता से कड़ी मेहनत कर सांस्कृतिक क्षेत्र में आगे बढ़े। पूर्व में भी सांस्कृतिक गतिविधियों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम चमकाने में वैश्य महाविद्यालय के कलाकारों की बड़ी भूमिका रही है, ये बात राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिता 'बसंत बयार' में बेहतरीन प्रदर्शन कर लौटे वैश्य महाविद्यालय के युवा कलाकारों को सम्मानित करते हुए प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कही।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेकर स्थान प्राप्त करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। युवा कलाकारों की सफलता पर कॉलेज ट्रस्ट के पदाधिकारियों, उपप्राचार्य एवं डीन युवा कल्याण प्रोफेसर धीरज त्रिखा ने उन्हें बधाई दी। महाविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. हरिकेश पंघाल ने बताया कि राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिता 'बसंत बयार' में टीम इंचार्ज रितेश गोयल के नेतृत्व में महाविद्यालयों के अनेक युवा कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाओं में प्रतिभागिता की। हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता में छात्र अंकित ने प्रथम, नारी सशक्तिकरण पर प्रश्नोत्तरी में सिद्धांत, राहुल कौशिक एवं भविष्य की टीम ने प्रथम, निबंध में छवि ने द्वितीय एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता में आरुषि ने सांत्वना पुरस्कार, भाषण प्रतियोगिता में छवि ने सांत्वना एवं एकल गायन में लक्ष्मी ने सांत्वना पुरस्कार हासिल किया। महाविद्यालय के युवा कलाकारों की सफलता पर महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने खुशी जताई है।

भिवानी। प्राचार्य के साथ विजेता कलाकार। फोटो : हरिभूमि

माल रोड के नाम पर व्यापारियों को परेशान नहीं करे नपः ठाकुर

भिवानी। बहुजन समाज पार्टी के भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा प्रभारी पवन ठाकुर ने नगर परिषद द्वारा बनाए जा रहे माल रोड प्रोजेक्ट को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि माल रोड के निर्माण के नाम पर नगर परिषद द्वारा शहर के व्यापारियों और आम जनता को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है, जो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। ठाकुर ने कहा कि नगर परिषद द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से माल रोड का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन इस कार्य के दौरान व्यापारियों को किसी प्रकार की पूर्व सूचना, वैकल्पिक व्यवस्था या उचित समय सीमा की स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही, जिसकारण दुकानदारों का व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य इस प्रकार किए जाने चाहिए कि आम जनता और व्यापारियों को कम से कम परेशानी हो।

शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को किया सम्मानित

एनएसएस सात दिवसीय विशेष शिविर का गरिमामय समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर बुधवार को संपन्न हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि लोहारू के उप पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार चहल ने की। डीएसपी संजीव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति, सडक़ सुरक्षा एवं कानून के प्रति सजग रहने का संदेश देते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों की सराहना की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुजीत कुमार ने सात दिवसीय शिविर की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति रैली निकाली, वृक्षारोपण किया तथा लोहारू के विभिन्न चौक-चौराहों और कॉलोनियों में जाकर सडक़ सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और भाईचारा बढ़ाने के लिए जनजागरण अभियान चलाया। प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार चहल ने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों को समाज से जोड़ते हैं तथा उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। डॉ. राजबाला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ. सुखबीर सिंह, डॉ. अजय वशिष्ट, अनिरुद्ध, बजरंग, उम्मीद, रमेश, सुनील, सरिता, पिंकी, अंजू, संगम व विजय आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। स्वयंसेवकों को सम्मानित करते डीएसपी व कॉलेज स्टाफ।

आनंद स्कूल फॉर ऐक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने जेईई मेन परीक्षा में लहराया परचम

बवानीखेड़ा। आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने सत्र 2025-26 के नियमित छात्र करण यादव, ईशान बेरवाल एवं पारस यादव ने कड़ी मेहनत और लगन से जेईई मेन 2026 में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इन छात्रों की उपलब्धि से पूरे विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय अध्यक्ष आनंद यादव ने विद्यार्थियों को शुभकामनाए देते हुए कहा कि ये सफलता उनके समर्पण, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। प्राचार्य नीतीश मिश्र ने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सही दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। निदेशक साहिल यादव एवं उपप्राचार्य गीता यादव ने भी विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि ये सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

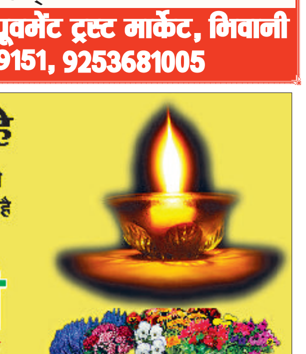

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

गांव संडवा में घोड़ी पर निकाला बेटी का बनवारा

तोशाम। गांव संडवा में बेटी आशा का बनवारा घोड़ी पर निकाला गया। इस पहल के माध्यम से बेटा-बेटी की समानता का संदेश समाज तक पहुंचाया गया। हरियाणा की मिट्टी में सदियों से चली आ रहीं परंपराओं में अब बदलाव की आहट दिखाई देने लगी है। जहां कभी बेटियों को परंपराओं की परिधि में सीमित रखा जाता था, अब वही परंपराएं बेटियों के सम्मान में नए अर्थ गढ़ रही हैं।

गांव संडवा में बेटी आशा के लिए वह रस्म निभाई गई, जो अब तक सिर्फ बेटों के नाम मानी जाती थी। धूमधाम से इस रस्म को निभाया गया।

आशा की शादी से पहले परिवार ने उन्हें घोड़ी पर बैठाकर धूमधाम से 'बनवारा' निकाला। आमतौर पर दूल्हों के लिए होने वाली इस रस्म को बेटी के लिए निभाकर परिवार ने न सिर्फ रूढ़िवादी सोच को चुनौती दी, बल्कि समाज को एक मजबूत संदेश भी दिया कि बेटी भी बेटों के बराबर हैं। मंगलवार रात निकले इस बनवारा में खुशी देखते ही बन रही थी। घोड़ी पर बैठी आशा आत्मविश्वास और उल्लास से भरी नजर आईं। उनके साथ परिवार की महिलाएं जमकर थिरके। खुद आशा ने भी डांस कर अपनी खुशी जाहिर की। महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर पंकज शर्मा ने भी इस फैसले को बेटियों के आत्मसम्मान की दिशा में अहम कदम बताया।

भिवानी। बेटी का घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकालते परिजन।

छोगमल चौधरी ग्रामीण खेल महोत्सव 21-22 फरवरी को

■ महोत्सव में दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद व हाफ मैराथन होंगे

बहल। बीआरसीएम शिक्षण समिति बहल के तत्वावधान में 12वां छोगमल चौधरी ग्रामीण खेल महोत्सव 21-22 फरवरी को राजीव गांधी ग्रामीण खेल परिसर, बहल में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए संस्था के निदेशक डॉ एस के सिन्हा ने बताया कि खेल महोत्सव की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

डॉ. सिन्हा ने बताया कि यह खेल महोत्सव ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। दो दिवसीय आयोजन में एथलेटिक्स (पुरुष एवं महिला) की 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद, ऊँची कूद, जैवलिन थ्रो एवं हाफ मैराथन प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसके अतिरिक्त कबड्डी (नेशनल स्टाइल – पुरुष एवं महिला), वॉलीबॉल स्मैशिंग (पुरुष एवं महिला) तथा रस्साकशी (पुरुष) प्रतियोगिताएं भी होंगी। विशेष आकर्षण के रूप में 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए 100 मीटर बुजुर्ग दौड़ तथा 100 मीटर सरपंच दौड़ का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभिन्न खेल स्पर्धाओं में बड़ी संख्या में टीमें भाग लेंगी। कबड्डी (पुरुष एवं महिला) लगभग 18 टीमें, वॉलीबॉल (पुरुष एवं महिला) लगभग 44 टीमें, रस्साकशी 6 टीमें, एथलेटिक्स में 300 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। डॉ. सिन्हा ने बताया कि उद्घाटन समारोह 21 फरवरी को प्रातः 9 बजे होगा, जिसमें मुख्यतिथि पूर्वमंत्री जयप्रकाश दलाल उपस्थित रहेंगे। वहीं 22 फरवरी को दोपहर 2 बजे होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यतिथि खेलमंत्री गौरव गौतम शिरकत करेंगे। इसके अतिरिक्त द्रोणाचार्य अवार्डी अशन कुमार सांगवान एवं जगदीश सिंह आदि मौजूद रहेंगे।

शिविर में 95 युवाओं ने किया रक्तदान

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते अतिथि।

■ जीवन में अवश्य करें रक्तदान, संसार में इससे बड़ी सेवा नहीं

भिवानी। रक्तदान को जीवनदान कहा गया है, लेकिन अपने जीवन की खुशियों के अवसर पर कोई रक्तदान करें तो इससे बड़ा कोई प्रेरक काम नहीं हो सकता, ऐसा ही प्रेरणादायी प्रसंग देवनगर कॉलोनी में सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से एम्स बाड़सा की डॉक्टर हिमांशी की अगुवाई में आयोजित रक्तदान शिविर में देखने को मिला, जहां 95 युवाओं ने रक्तदान किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश मिताथल ने बताया कि ये ट्रस्ट का 17वां रक्तदान शिविर है। इस अवसर पर शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया कि हमारे रक्त से किसी की जान बच जाए इससे बड़ा धर्म और क्या हो सकता है। भविष्य में भी किसी को रक्त की जरूरत होती है तो हम उसके लिए तैयार हैं। ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीश ने बताया कि रक्तदान करने से व्यक्ति किसी जरूरतमंद की जान बचा सकते हैं। हमें अपने जीवन में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे बडी मानव सेवा कोई नहीं है, जिससे किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। इस अवसर पर रक्तवीर मनीष वर्मा ने सभी रक्तदाताओं का आभार जताया। इस मोके पर हरिओम, साहिल, मेहताब सिंह विजेंद्र सिंह, नरेंद्र तंवर, प्रदीप भोरिया व विक्रम आदि मौजूद थे।

जेजेपी की हांसी रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साहः कृष्ण

तोशाम। जननायक जनता पार्टी के बीसी सैल के जिलाध्यक्ष कृष्ण वर्मा सुंगरपुर ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन पर 13 मार्च को हांसी में होने वाली रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने दावा किया कि भिवानी जिले से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और युवा इस रैली में भाग लेंगे। कृष्ण ने बताया कि जिले के विभिन्न हलकों में लगातार बैठकें की जा रही हैं और रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला की नीतियों से युवा विशेष रूप से प्रभावित हैं।

कार्यक्रम पीएमश्री विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक उत्सव

वार्षिकोत्सव में लोकनृत्य व नाटक से छात्राओं ने मोहा मन

■ छात्रों ने पेंटिंग, योग, नाटक व रीडिंग गतिविधियों में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्या सुशीला की अध्यक्षता में वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में एसएमसी प्रधान राजबाला उपस्थित हुई। सर्वप्रथम विद्यालय प्राचार्या व एसएमसी प्रधान ने मां सरस्वती पर पुष्प अर्पित किए व विद्यालय के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्राचार्या ने विद्यालय में आए सभी एसएमसी सदस्यों व अभिभावकों का अभिभाषण से स्वागत किया। इस वार्षिक उत्सव पर विद्यालय में वाद विवाद प्रतियोगिताए खेल प्रतियोगिताएं पेंटिंग,योग, पेपर रीडिंग, नाटक, कविता वाचन, समूह गीत, क्विज, समूह नृत्य व एकल नृत्य प्रतियोगिता आदि गतिविधियों का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इसके साथ ही जिन छात्राओं ने शिक्षा के क्षेत्र,सांस्कृतिक क्षेत्र में व खेल के क्षेत्र में विद्यालय का नाम रोशन किया, उन्हें भी सम्मानित किया। मंच पर छात्राओं ने लोक नृत्य, नाटक व देशभक्ति गीत से सभी का मनमोह लिया, जिन अध्यापकों ने विद्यालय में अपना विशेष योगदान दिया है, उन्हें भी सम्मानित किया।

भिवानी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथि।

ये रहे मौजूद

अंत में विद्यालय प्राचार्या ने सभी आगंतुकों का आभार जताया। सभी विद्यार्थियों को प्रसाद वितरित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन की भूमिका किरण व कोमल ने निभाई। कार्यक्रम में हेमंत शर्मा, डॉ नरेंद्र, विजेंद्र, सुनील, सरोज, सुमन, विनीता, शीतल, कुसुम लता, चारु, विभा, ज्योति आदि का विशेष योगदान रहा।